सांध्य दैनिक 4PM

जिद...सच की

www.4pm.co.in | www.facebook.com/4pmnewsnetwork | @Editor_Sanjay | YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्षः 9 ● अंकः 52 ● पृष्ठः 8 ● लखनऊ, सोमवार, 27 मार्च, 2023

मूल्य ₹ 3/-

मैं अपने खुद के प्रयासों से 100 प्रतिशत कमाने की बजाये 100 लोगों के प्रयासों से 1 प्रतिशत कमाना चाहूंगा।
-जॉन डी. रॉकफेलर

बरेली जेल से अशरफ प्रयागराज को... 8 | विरोधाभासों से घिरे विपक्ष को... 3 | सावरकर हमारे आदर्श, अपमान... 7

गोदी मीडिया ने कर दी हद, पेशाब कर रहे अतीक को भी दिखाया लाइव

पुलिस को आंख दिखा रहा और मीडिया कह रहा डर के मारे कांप रहा अतीक

» गुजरात से बढ़ा काफिला, शाम तक पुहंचेगा प्रयागराज

» उमेशपाल अपहरण : 28 मार्च को आएगा फैसला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। उमेशपाल अपहरण कांड के फैसले के मद्दे नजर यूपी के बाहुबली व पूर्व सांसद अतीक अहमद को पुलिस गुजरात के साबरमती जेल से लेकर प्रयागराज आ रही है। पर इस दौरान पुलिस व मीडिया के रवैये पर भी सवालिया निशान लग रहे हैं। सबसे बड़ी बात सुप्रीम कोर्ट के आदेश से यूपी लाये जा रहे अतीक के पीछे इस तरह से गोदी मीडिया का पीछा करना भी संदेहास्पद है। बार-बार मीडिया ये दिखा रहा है कि वह डर से कांप रहा है जबकि रास्ते में कई बार अतीक ने मूंछों पर ताव देकर पुलिस को आंखे भी दिखाई।

सबसे बड़ी बात पत्रकारिता किस हद तक गिर गई अतीक के पेशाब करने तक के निजी क्षण को लाइव कर रही है। ज्ञात हो रविवार को कोर्ट के आदेश के बाद उसे वहां ये यूपी लाया जा रहा है। अतीक पर 28 मार्च को फैसला आने वाला है। उत्तर प्रदेश के माफिया डान अतीक अहमद का काफिला सोमवार सुबह मध्यप्रदेश की सीमा में प्रवेश करते हुए शिवपुरी के रामनगर टोल प्लाजा से गुजरा।

सुप्रीम कोर्ट के आदेश से यूपी लाये जा रहे अतीक का इस तरह से गोदी मीडिया का पीछा करना भी संदेहास्पद

मुझे काहे का डर : अतीक

पत्रकार पूछ रहे है डर लग रहा है क्या ! अतीक कह रहा है काहे का डर ! गोदी मीडिया कल से चिल्ला रही है डर के मारे कॉप रहा है अतीक ! अरे भाई भाजपा पर बहुत एहसान किया है उसने ! मुँह खोल देगा तो नंदी जी को पसीने आ जायेंगे ! मैं तो कल से कह रहा हूँ किसी की हैसियत नहीं जो अतीक की गाड़ी पलटा दे ! यह सारी बातें इसलिये चलायी जा रही है कि आप ना पूछे कि यूपी की काबिल पुलिस एक महीने में भी शूटर क्यों नही पकड़ पायी !

नंदी के साथ अतीक का है दोस्ताना!

यह फ़ोटो योगी के मंत्री नंदी के है ! आपने अपनी प्रेमिका को भी इतने प्यार से नहीं देखा होगा जैसे मंत्री जी अतीक को देख रहे है ! गोदी मीडिया के चैनल आधी रात को अतीक का काफिला दिखा रहे है! सभी देख रहे हैं कि जेल से निकलकर गाड़ी में बैठने तक अतीक क्या बोला कोई नहीं सुन पाया पर इन चैनलों ने सुन लिया कि वो कह रहा है कि मेरी हत्या हो जायेगी ! सो जाईये आप लोग ! अतीक का कुछ नहीं बिगड़ेगा ! प्रयागराज और फूलपुर में वो मुस्लिमों के वोट काटता है और फ़ायदा भाजपा को होता है ! अतीक पुलिस से अभी भी तेवरों से बात कर रहा है और गोदी मीडिया कह रहा है कि वो कॉप रहा है ? किसी की हैसियत नही वो दिखाये कि योगी के मंत्री नंदी का दोस्त है वो ! सरकार के अफसर उसके परिजनों की सेवा में रहते है ! आराम से कल आयेगा और मीडिया आपको फ़र्जी कहानी सुनाता रहेगा कल तक ! मैं बताऊँगा कल फिर इस आगमन की सच्चाई।

1300 किमी की दूरी तय करेगा काफिला

मध्यप्रदेश की सीमा की बात करें तो राजस्थान के कोटा होते हुए बारां जिले के बाद राजस्थान के आखरी बॉर्डर कस्वा थाने कस्बे को पार करते हुए मध्यप्रदेश की सीमा में दाखिल हुआ। मध्यप्रदेश की सीमा में लगभग अतीक अहमद को ले जाने वाला काफिला लगभग 130 किलोमीटर का सफर तय किया गया। शिवपुरी के करैरा और दिनारा कस्बे से सटे हुए फोरलेन से होते हुए यूपी के झांसी जिले में जाएगा। यह काफिला गुजरात से होकर राजस्थान, मध्यप्रदेश होते हुए उत्तर प्रदेश की सीमा में प्रवेश करेगा। यह काफिला गुजरात से उत्तर प्रदेश के प्रयागराज तक लगभग 1300 किलोमीटर की दूरी तय करेगा।

गाय से टकराई वैन

शिवपुरी जिले से होकर गुजरे गैंगस्टर अतीक अहमद का काफिला जैसे ही खराई चेकपोस्ट से होकर गुजरा वहां, अचानक अतीक अहमद की वैन के सामने एक गाय आ गई और वैन से टकरा गई। हादसे में गाय की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। हालांकि वैन पलटने से बच गई।

मोदी सरकार के खिलाफ लड़ाई आर-पार पर आई

राहुल के समर्थन में काले लिबास में संसद पहुंची सोनिया

» पूरे देश में जोरदार हल्ला बोल, भाजपा की नींद उड़ाने की तैयारी

» संसद के दोनों सदनों की कार्यवाही ठप

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। राहुल की संसद सदस्यता जाने के बाद कांग्रेस अब न खुद चैन से बैठना चाहती है और भाजपा सरकार को बेफिक्र होने देना चाहती। इसकी के तहत उसके नेता संसद में मोदी को घेरने कोई भी मौका गंवाना नहीं चाहते है। वहीं सड़क पर भी कांग्रेस भाजपा सरकार के खिलाफ और आक्रामक हो गई है। देश के लगभग हर राज्य में कांग्रेस

कार्यकर्ता सरकार के तानाशाही रवैये के खिलाफ हल्ला बोल रही है। कुल मिलाकर लड़ाई आर-पार वाली हो गई है। विपक्षी सांसदों के विरोध के बीच संसद के दोनों सदनों की कार्यवाही शुरू होने के कुछ ही मिनटों के भीतर हंगामे की भेंट चढ़ गई। राज्यसभा की कार्यवाही दोपहर 2 बजे तक और लोकसभा आज शाम 4 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई है।

जेपीसी से क्यों डर रही सरकार : खरगे

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि हम 18 राजनीतिक पार्टी मिलकर संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) की मांग कर रहे हैं। इससे सत्यता बाहर आएगी और लोगों को पता चलेगा कि हम यह मांग क्यों कर रहे हैं। आप जेपीसी से क्यों डर रहे हैं? आपके पास 2/3 बहुमत है और उसमें भी आप ही के सदस्य ज्यादा रहेंगे। इसका मतलब है कि दाल में कुछ काला है।

लोकतंत्र नहीं कांग्रेस को खतरा है : किशन रेड्डी

केंद्रीय मंत्री जी किशन रेड्डी ने कहा कि लोकतंत्र नहीं कांग्रेस को खतरा है इसलिए उन्होंने कांग्रेस बचाओ के नाम पर भारत जोड़ो यात्रा की थी। वे प्रजातंत्र के बारे में बोल रहे हैं, लेकिन उन्हें बोलने का हक नहीं है क्योंकि आपातकाल के दौर में कांग्रेस ने लाखों लोगों को जेल में डाला था।

कई भू-माफिया के भाजपा से संबंध : अखिलेश

» बोले-गाड़ी पलटने के रिकॉर्ड कहीं नहीं जाते

» झूठ के सहारे है योगी सरकार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। अतीक की गाड़ी पलटने संबंधी बयान पर पूर्व सीएम अखिलेश यादव ने आपत्ति की है । उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ने अपने मंत्री को बता दिया होगा कि कहां और कब गाड़ी पलटेगी। यही वजह है कि मंत्री गाड़ी पलटने संबंधी बयान दे रहे हैं। अतीक अहमद को गुजराज के साबरमती जेल से प्रयागराज ले आने के दौरान मंत्री जेपीएस राठौर द्वारा गाड़ी पलटने संबंधी बयान दिया गया था। इस बयान के सवाल पर सपा अध्यक्ष ने तल्ख तेवर दिखाए। उन्होंने भाजपा सरकार पर जमकर हमला बोला। कहा कि गाड़ी पलटने का यह रिकॉर्ड कहीं नहीं जाएगा। वे याद रखें कि अगर गूगल और अमेरिका से मदद लेंगे तो वो दिखाएंगे कि कार कैसे और कब पलटती थी। इसका सबूत पांच साल बाद भी ढूंढा जा सकेगा।

सपा अध्यक्ष ने यह भी कहा कि प्रयागराज के भू-माफिया के संबंध में भाजपा से हैं।

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सबसे भ्रष्ट पार्टी है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि वह छठी मना रही है। लेकिन यह नहीं बता रही कि छह साल में किया क्या? नौजवानों को नौकरी, रोजगार नहीं मिला। किसानों की आय दोगुनी नहीं हुई। शिक्षा और स्वास्थ्य की स्थिति बेहद खराब है। नीति आयोग की रिपोर्ट में उत्तर प्रदेश देश के अन्य राज्यों की तुलना में 22वें नंबर पर पहुंच गया है। कानून व्यवस्था ध्वस्त है। वह वोट लेने के लिए झूठे आंकड़े पेश कर रही है। सपा अध्यक्ष ने कहा कि शिक्षा व्यवस्था चौपट है। आठ हजार प्राथमिक स्कूलों में एक टीचर है। इन्फ्रास्ट्रक्चर नहीं है। मेडिकल कॉलेजों में प्रोफेसर, डाक्टर नहीं है। दवाएं नहीं है। आपरेशन नहीं हो रहे है। गन्ना किसानों का हजारों करोड़ रूपये बकाया है। किसानों का आलू नहीं खरीदा गया।

25 जिलाध्यक्षों की घोषणा

लखनऊ। लोकसभा चुनाव की तैयारी में जुटी समाजवादी पार्टी ने 25 जिलों के जिलाध्यक्षों की घोषणा कर दी है। इसमें एमवाई फैक्टर का ध्यान रखते हुए अति पिछड़ों पर जोर दिया गया है। अवध क्षेत्र में अंबेडकर नगर का जिलाध्यक्ष जंग बहादुर यादव को बनाया गया है। प्रदेश अध्यक्ष नरेश उत्तम पटेल ने 25 जिलों के जिलाध्यक्षों में जातीय समीकरण का पूरा ध्यान रखा है। सूची में परंपरागत वोटबैंक को संतुष्ट करने की भरसक कोशिश है। 25 जिलाध्यक्षों में चार मुस्लिम, छह यादव, एक ब्राह्मण को जिम्मेदारी सौंपी गई है। इसके अलावा पाल, सैनी, निषाद, जाटव व कुशवाहा व अन्य अति पिछड़े वर्ग के नेताओं को अलग- अलग जिले की जिम्मेदारी सौंपी है। कानपुर का जिलाध्यक्ष मुनींद्र शुक्ला को बनाया गया तो महानगर अध्यक्ष की जिम्मेदारी फजल महमूद को दी गई है। इसी तह एटा का जिलाध्यक्ष परवेज जुबेरी को बनाते हुए महासचिव की जिम्मेदारी भूपेंद्र प्रजापति को सौंपी गई है। अमरोहा में जिलाध्यक्ष मस्तराम बनाए गए हैं तो जिला महासचिव की जिम्मेदारी चंद्रपाल सैनी को सौंपी गई है। इन जिलों में पार्टी ने साफ संकेत दिया है कि सभी जातियों को पार्टी किसी किसी रूप में सम्मान देने के लिए तैयार है।

सपा नेताओ को फर्जी मुकदमे में फंसा रही सरकार

भाजपा लगातार लोकतंत्र पर हमला कर रही है। भाजपा सरकार समाजवादी पार्टी के नेताओं और विधायकों पर अधिकारियों के माध्यम से फर्जी मुकदमें लगाकर परेशान कर रही है। जो राहुल गांधी के साथ हुआ वही यूपी में झांसी के पूर्व विधायक दीपक यादव, विधायक रमाकांत यादव और इरफान सोलंकी के साथ हुआ। उन्हें साजिश और षड्यंत्र के तहत फंसाया गया है। सरकार ने मोहम्मद आजम खां और अब्दुल्ला आजम खां के खिलाफ दूसरे राज्य के कैडर के अधिकारी के माध्यम से साजिश के तहत मुकदमा कराया और सदस्यता छीनी गई।

पुलिस को धमकी न दें अखिलेश : केशव

लखनऊ। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने सपा प्रमुख अखिलेश यादव पर तंज कसा है। केशव ने ट्वीट कर कहा कि हत्या अपहरण सहित अनेक गंभीर अपराधों में वांछित अतीक अहमद और अशरफ के मामले में कानून अपना काम कर रहा है और करेगा। उन्होंने कहा कि सपा बहादुर अखिलेश यादव की बयानबाजी का कोई औचित्य नहीं है! उन्हें अतीक अशरफ का बचाव अथवा मदद करना है तो कोर्ट में करें। बार-बार पुलिस को धमकी न दें! उन्हें अतीक अशरफ़ का बचाव अथवा मदद करना है तो कोर्ट में करें,बार-बार पुलिस को धमकी न दें!

मोदी जी से क्यों सवाल नहीं पूछती है मीडिया : दिग्विजय

» उम्र के सवाल पर बोले- पीएम युवा हैं क्या

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

ग्वालियर। ग्वालियर में उम्र वाले एक सवाल पर पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह तमतमा गए। उन्होंने कहा कि दिग्विजय सिंह क्या बैशाखी पर चल रहा है। उन्होंने एक पत्रकार से कहा कि क्या बीजेपी में मोदी जी युवा हैं। क्या वह बुजुर्ग नहीं हैं। साथ ही सिंह ने कहा कि आप मोदी जी से प्रेस कॉन्फ्रेंस करने के लिए क्यों नहीं कहते हैं।

कांग्रेस पार्टी के नेता राहुल गांधी की संसद की सदस्यता रद्द होने के बाद पार्टी काफी आक्रोश में है। इसे लेकर कांग्रेस पार्टी भारतीय जनता पार्टी पर लगातार निशाना साध रही है। साथ ही कांग्रेस पार्टी के नेता और कार्यकर्ता जगह-जगह प्रदर्शन भी कर रहे हैं। उम्र संबंधी सवाल पूछने पर वे एक पत्रकार पर भड़क गए और दोनों लोगों के बीच गर्मागरम बहस हो गई।

टीवी संस्थानों का नाम बदनाम कर रहे पत्रकार

आप टीवी संस्थान का नाम बदनाम कर रहे हैं। इस बात को लेकर जमकर बहस हुई। दिग्विजय सिंह ने कहा कि आप मोदी जी से प्रेस कॉन्फ्रेंस करने के लिए क्यों नहीं कहते हैं। इससे पहले पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह मीडिया से बातचीत के दौरान शिवराज सरकार और मोदी सरकार पर जमकर निशाना साधते हुए नजर आए।

बिजली सब्सिडी को खत्म करने की हो रही साजिश : केजरीवाल

» एलजी के खिलाफ फिर हमलावर हुए सीएम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

दिल्ली। दिल्ली के सीएम केजरीवाल एक बार फिर एलजी के ताजा रुख पर हमलावर हो गए हैं। पहले दिल्ली के बिजली मंत्री आतिशी ने विधानसभा में इस मसले को उठाया और अब मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने ट्वीटकर साफ कर दिया कि अगर ये बिजली सब्सिडी को खत्म करने की साजिश है तो हम ऐसा नहीं होने देंगे। दिल्ली सरकार के दो प्रमुख नेताओं के बयान के बाद बीजेपी ने भी केजरीवाल सरकार पर हमला बोल दिया है।

बता दें दिल्ली के वरिष्ठतम नौकरशाह ने एक रिपोर्ट के जरिए बताया कि डीईआरसी के निर्देशों का पालन न होने से सरकार को 300 करोड़ रुपये का नुकसान हो रहा है। सरकार इस मसले पर ध्यान दे तो नुकसान से बचा जा सकता है। इस रिपोर्ट को लेकर दिल्ली के उपराज्यपाल ने दिल्ली सरकार को जल्द स्पष्टीकरण देने को कहा है। एलजी वीके सक्सेना की इस पहल को सरकार और राजनिवास के बीच पहले से जारी तनातनी को और बढ़ाने वाला माना जा रहा है। मुख्य सचिव की रिपोर्ट को गंभीरता से लेते हुए एलजी वीके सक्सेना ने अपने नोट में उनसे डीईआरसी के गाइडलाइन के सुझावों का जिक्र करते हुए कहा कि इस गंभीर मसले को वो सीएम अरविंद केजरीवाल के संज्ञान में लाएं। एलजी की ये नोटिंग दिल्ली सरकार को अच्छी नहीं लगी। यही वजह है कि बिजली सब्सिडी समाप्त होने को लेकर चर्चा चरम पर है। एक दिन पहले सीएम अरविंद केजरीवाल ने अपना स्टैंड साफ करते हुए कहा कि अगर बिजली सब्सिडी समाप्त करने की यह साजिश है तो हमारी सरकार इसे स्वीकार नहीं करेगी।

बामुलाहिज़ा
कार्टून: हसन जैदी

महात्मा गांधी का सत्याग्रह देश के सम्मान के लिए : नड्डा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कांग्रेस के सत्याग्रह पर बिना नाम लिए राहुल गांधी पर जमकर निशाना साधा। उनका अहंकार बहुत बड़ा है और समझदारी छोटी। उन्होंने कहा कि मैं किसी नेता का नाम नहीं लेना चाहता, अहंकार में डूबे हुए हैं। कांग्रेस नेता सत्याग्रह कर रहे हैं। नड्डा ने कहा कि सत्याग्रह तो महात्मा गांधी ने किया था। भारत के सम्मान के लिए।

भारत की अस्मिता के लिए। ये लोग किस बात के लिए सत्याग्रह कर रहे हैं? लोकतंत्र की परंपराएं तोड़ रहे हैं। कानून पर विश्वास नहीं करते हैं। पिछड़ी जातियों को जातिसूचक गाली देते हो। चोर कहते हो। कोर्ट माफी मांगने के लिए कहता है तो कहते हैं कि माफी भी नहीं मांगेगे। सजा होने पर सदस्यता चली गई। रस्सी जल गई पर बल नहीं गया।

कमलनाथ सरकार ने हमारी योजनाएं बंद की

सीएम शिवराज ने कहा कि पीएम मोदी के नेतृत्व नेतृत्व में वैभवशाली भारत बना है। आज पाकिस्तान वाले भी कह रहे हैं कि अल्लाह हमारे पास भी नरेंद्र मोदी होता। सीएम ने पूर्व सीएम कमलनाथ पर निशाना साधते हुए कहा कि 15 माह की सरकार में कमलनाथ ने मप्र को घोटालों का प्रदेश बना दिया था। जनहितैषी की योजनाओं को बंद कर दिया गया था। गरीबों के हक और अधिकार को कमलनाथ ने छीन लिया था। अपराधी खुले में घूमते थे। वल्लभ भवन को दलाली का अड्डा बना दिया था।

विरोधाभासों से घिरे विपक्ष को राहुल दिखाएंगे राह!

2024 लोकसभा चुनाव में भाजपा पर भारी पड़ सकता है दांव

» ममता से मिले थे अखिलेश गैर-कांग्रेस और गैर-बीजेपी दलों का मोर्चा बनाने की बात की थी

» केसीआर पहले से ही ऐसा मोर्चा बनाने में जुटे थे नीतीश, उद्धव स्टालिन पर रहेगी नजर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

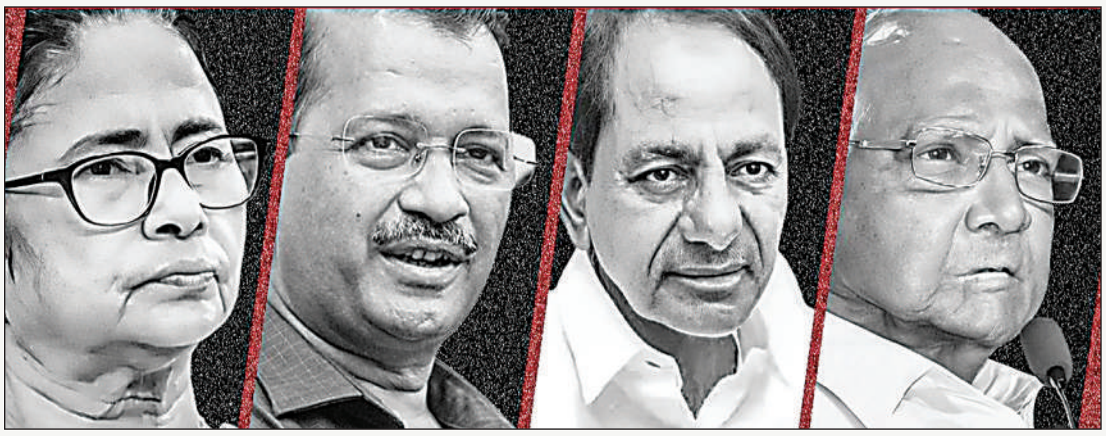

नई दिल्ली। राहुल को लोकसभा से अयोग्य होने के बाद पूरा सियासी माहौल बदल गया है। जहां कुछ क्षेत्रीय दल कांग्रेस से किनारा कर रह रहे थे वो भी अब उसके साथ दिखाई दे रहें हैं। हालांकि अभी कुछ भी कहना जल्दबाजी होगा क्योंकि अभी लोकसभा चुनाव-2024 होने में समय है। राजनीति में कब क्या हो जाए ये कोई नही जानता। पर राहुल के इस बयान के कई मायने हैं कि मोदी ने विपक्ष को हथियार दे दिया है। उनका इशारा विपक्ष के उन नेताओं की ओर होगा जो उनके समर्थन में हैं। शायद वो ये कहना चाह रहे थे एकजुट होकर कांग्रेस के साथ आकर मोदी-भाजपा की सरकार के खिलाफ लड़ाई लड़े। पर उनकी ये बाते कहां तक पहुंची हैं आने वाला समय बताएगा।

हालांकि इस मामले पर बीजेपी ने भी पूरी तैयारी के साथ कांग्रेस को घेरा। वो राहुल पर ओबीसी के अपमान करने की बात को ही आगे उठाकर चुनावी वैतरणी को पार करने की जुगत में लगेगी ऐसा संकेत उसके नेताओं के बयान से साफ दिखाई दे रहा है। बता दे राहुल गांधी को मानहानि के मामले में अदालत ने सजा सुनाई उसके कुछ ही घंटों के बाद लोकसभा कार्यालय ने उनकी सदस्ययता रद्द कर दिया। उसके बाद कांग्रेस ने देशभर में सड़कों पर हंगाम किया। हालांकि कांग्रेस को समझना चाहिए कि कि सजा मोदी सरकार ने नहीं सूरत की एक कोर्ट ने सुनाई है। इस घटनाक्रम के बाद कांग्रेस और कुछ अन्य विपक्षी दलों के नेता मार्च निकालते हुए विजय चौक तक पहुँचे और राष्ट्रपति से मुलाकात तथा आगामी विरोध प्रदर्शन कार्यक्रमों का ऐलान करते हुए मोदी सरकार को कोसा। राजनीतिक गलियारें में यह भी चर्चा हो रही है कि जब दो साल की सजा सुनाये जाने पर कई अन्य सांसदों और विधायकों को संबंधित सदनों की सदस्यता गंवानी पड़ी तो राहुल गांधी को क्यों छूट मिलनी चाहिए? दूसरी ओर, मोदी उपनाम के खिलाफ अमर्यादित टिप्पणी मामले में राहुल गांधी को अदालत ने सजा सुनाई तो कांग्रेस ने कह दिया कि हमें पहले से पता था यही होगा। कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया है कि राहुल गांधी की आवाज दबाने की साजिश हो रही है। इस बात को भी भाजपा ने उठाया भाजपा ने कहा कि कुछ कांग्रेसी ही नहीं चाहते कि राहुल आगे बढ़े। क्या कांग्रेस को पता नहीं है कि अदालतों में सुबूतों के आधार पर फैसला सुनाया जाता है। अभी दो दिन पहले कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने कहा था कि सुप्रीम कोर्ट ने अडाणी मामले में जो जांच कमेटी बनाई है वह क्लीन चिट कमेटी है। क्या कांग्रेस को सुप्रीम कोर्ट पर भी विश्वास नहीं है?

लोकसभा चुनाव महज एक साल दूर है इसलिए विपक्ष की बेसब्री बढ़ती जा रही है। इस क्रम में शरद पवार के घर पर विपक्ष की बैठक में आगे की रणनीति बनी। विपक्ष को चाहिए अब एक्जुट होकर सरकार की नाकामियों को जनता के बीच उठाए और अपनी योजनाओं को भी बताये कि अगर वह सत्ता में आए तो वो ऐसा क्या करेंगे जिससे आमजन का स्तर ऊंचा उठेगा। ज्ञात हो कि 2024 में होने जा रहे लोकसभा चुनाव से पहले विपक्षी एकता की गंभीर कोशिश शुरू होनी ही थी कि इसे लेकर गहरा विरोधाभास सामने आ गया था। विपक्षी एकता की जगह गैर-कांग्रेस, गैर-बीजेपी दलों का तीसरा मोर्चा बनाने की बात होने लगी थी। अखिलेश, ममता के बयान से हालात में एक बार फिर सबसे बड़ा सवाल यही उठ रहा था कि क्या यह विपक्षी एकता की पहल कामयाब हो पाएगी? क्या सभी क्षेत्रीय दल इस विचार से सहमत हो सकते हैं? सवाल इसलिए उठा क्योंकि इसी बीच यह तथ्य सामने आया कि क्षेत्रीय दलों का एक वर्ग बिना कांग्रेस के किसी भी विपक्षी मोर्चे की पहल से सहमत नहीं है। नीतीश कुमार, उद्धव ठाकरे, एम के स्टालिन, शरद पवार जैसे नेता कई बार कह चुके हैं कि बिना कांग्रेस के कोई मोर्चा संभव नहीं है। तीसरे मोर्चे के लिए सबसे सक्रिय ममता बनर्जी, अखिलेश यादव और केसीआर रहे हैं। इन्हें दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल का भी परोक्ष रूप से समर्थन मिलता रहा है। केसीआर इस सिलसिले में कई दलों के नेताओं से मुलाकात भी कर चुके हैं।

तीसरे मोर्चे की बात नई नहीं

गैर-कांग्रेस, गैर-बीजेपी दलों का तीसरे मोर्चे का गठन कोई नई बात नहीं है। नब्बे के दशक में ये दल सियासी धुरी बने थे और तब केंद्र में सरकार का गठन भी किया था, लेकिन 2014 के बाद हालात बदले हैं। देश ने केंद्र में बीजेपी के पूर्ण बहुमत वाली गठबंधन सरकार देखी। ऐसे में तब और अब के हालात में तुलना नहीं की जा सकती। तीसरा मोर्चा बनाने की दिशा में केसीआर की यह पहली कोशिश है। 2019 आम चुनाव से पहले वह इसकी कोशिश कर चुके हैं। उन्होंने इस फ्रंट में खुद के लिए डेप्युटी पीएम पद का फॉर्म्युला भी तय कर लिया था। आम चुनाव से पहले फेडरल फ्रंट बनाने की दिशा में उन्होंने अलग-अलग राज्यों का दौरा भी किया था। तब मामला बात-मुलाकात से आगे नहीं बढ़ सका। वहीं, क्षेत्रीय दलों की प्राथमिकता सिर्फ सियासी जीत या बीजेपी को हराना भर नहीं है। उन्हें अपनी सियासी जमीन भी बचानी है। उन्हें पता है कि अगर कांग्रेस के नेतृत्व में विपक्षी मोर्चा बना तो कहीं न कहीं उन्हें अपने सियासी जमीन छोड़नी पड़ेगी। अभी जितने क्षेत्रीय दल हैं, उनमें अधिकतर कांग्रेस के कमजोर होने की कीमत पर ही पनपे हैं। ऐसे में वे कांग्रेस को सीमित भूमिका में देखना पसंद करते हैं। इसलिए तीसरे मोर्चे का विकल्प स्वाभाविक ही उन्हें सही लगता है।

और बढ़ गई है कांग्रेस की जिम्मेदारी

इन नेताओं का आरोप है कि कांग्रेस विपक्षी एकता की दिशा में गंभीर नहीं है। वह अति-महत्वाकांक्षा का शिकार भी है। इन दलों का कांग्रेस को सुझाव है कि वह उन राज्यों में बीजेपी से मुकाबला करे, जहां दोनों में सीधी लड़ाई है। वे तर्क देते हैं कि 2014 और 2019 में ऐसी लगभग 225 सीटों में से बीजेपी 200 से ऊपर सीटें जीतने में सफल रही थी। ऐसे में अगर कांग्रेस इन सीटों पर फोकस करेगी तो अधिक लाभ होगा। इनका कहना है कि बीजेपी और कांग्रेस में सीधी लड़ाई वाली इन सीटों पर जीत-हार का यही अनुपात बना रहा तो विपक्षी दलों के एक होने का भी अधिक लाभ नहीं होगा। वे बीजेपी को नहीं रोक सकते। कांग्रेस तीसरे मोर्चे को खारिज तो करती रही है, लेकिन पार्टी का एक वर्ग इस बात से सहमत है कि विपक्षी एकता की दिशा में उसकी तरफ से उतनी गंभीरता से पहल नहीं हुई, जितनी होनी चाहिए थी। यही कारण है कि नीतीश कुमार, शरद पवार जैसे कांग्रेस की अगुआई वाले मोर्चे के हिमायती भी कांग्रेस की सुस्ती पर चिंता दिखा चुके हैं। कांग्रेस शुरू से खुद को विपक्षी दलों का अगुआ मानती रही है। उसका कहना है कि विपक्ष की एकता की कोई भी पहल उसके बिना आगे नहीं बढ़ाई जा सकती।

एक नए जोश के साथ आ सकती है कांग्रेस इंदिरा गांधी की तरह फायदा उठाने का मौका

» अब और आक्रामक हो सकते हैं राहुल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। अपनी अयोग्यता वाले फैसले को राहुल ने मोदी द्वारा दिया गया हथियार बता कर कांग्रेस की रणनीति का इशारा कर दिया है। जानकारों की माने तो कांग्रेस इस मुद्दे को बहुत तेजी से जनता के बीच ले जाकर बीजेपी को अगले चुनाव में झटका देने की तैयारी कर रही है। अगर कांग्रेस का निशाना सटीक बैठ गया तो उसे 2024 से पहले 23 में होने वाले पांच राज्यों में लाभ मिल सकता है। सूरत की एक अदालत द्वारा मानहानि के मामले में दोषी ठहराए जाने के एक दिन बाद कांग्रेस नेता राहुल गांधी को लोकसभा से अयोग्य घोषित कर दिया गया है।

लोकसभा सचिवालय द्वारा जारी एक नोटिस में कहा गया है कि वह अपनी सजा के दिन 23 मार्च से सदन से अयोग्य हैं। आज से 46 साल पहले 3 अक्टूबर 1977 एक मामला ऐसा हुआ था। दिल्ली के 12 वेलिंगटन क्रेसेंट रोड पर स्थित घर से भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा 5 (2) के तहत श्रीमती इंदिरा गांधी को सीबीआई ने हिरासत में ले लिया था। मिसेज गांधी को सीबीआई ने एक घंटे का वक्त दिया। शाम 6:5 मिनट पर इंदिरा गांधी बरामदे में आई और कहा कि हथकड़ी कहां है, मैं बिना हथकड़ी के नहीं जा रही हूं। तीन बार इंदिरा गांधी अपने कमरे से बाहर आई और फिर वापस चली गई जैसे मानों वो कांग्रेस समर्थकों के नारों में वो जोश के उबाल में कमी महसूस कर रही हों। 8 बजे इंदिरा बाहर आती हैं और नारे बहुत तेज हो चले थे। इंदिरा वैन के ऊपर खड़े होकर जनता से कहा कि ये मायने नहीं रखता कि मेरे ऊपर क्या चार्ज लगाए गए हैं, मैं देश की सेवा करती रहूंगी। कहते हैं इतिहास खुद को न तो दोहराता हैं और न ही किसी को कोई मौका देता है। लेकिन कांग्रेस पार्टी इतिहास की दहलीज पर खड़ी है। सूरत की एक अदालत द्वारा मानहानि के मामले में दोषी ठहराए जाने के एक दिन बाद कांग्रेस नेता राहुल गांधी को लोकसभा से अयोग्य घोषित कर दिया गया है। लोकसभा सचिवालय द्वारा जारी एक नोटिस में कहा गया है कि वह अपनी सजा के दिन 23 मार्च से सदन से अयोग्य हैं। राहुल गांधी को अब एक उच्च न्यायालय का रुख करना होगा और अपनी सजा पर रोक लगवानी होगी। वो आठ साल तक चुनाव नहीं लड़ पाएंगे (दो साल की सजा के साथ और छह साल जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 के तहत)। राहुल इस जून में 53 साल के हो जाएंगे। अयोग्यता का मतलब है कि वह 60 साल की उम्र तक सांसद बनने की उम्मीद नहीं कर सकते, प्रधानमंत्री पद तो भूल ही जाइए। अगर भारत में मध्यावधि चुनाव नहीं होते हैं, तो अगला आम चुनाव 2034 में लड़ सकते हैं। तब तक वह 65 साल के हो जाएंगे।

अयोग्यता को पलटा जा सकता

अयोग्यता को पलटा जा सकता है यदि कोई उच्च न्यायालय सजा पर रोक लगाता है या सजायाफ्ता विधायक के पक्ष में अपील का फैसला करता है। 2018 में लोक प्रहरी बनाम भारत संघ के एक फैसले में, सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया कि अयोग्यता अपीलीय अदालत द्वारा दोषसिद्धि पर रोक की तारीख से लागू नहीं होगी। गौरतलब है कि स्थगन केवल दंड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) की धारा 389 के तहत सजा का निलंबन नहीं हो सकता है, बल्कि दोषसिद्धि पर रोक है। सीआरपीसी की धारा 389 के तहत, एक अपीलीय अदालत अपील लंबित रहने तक दोषी की सजा को निलंबित कर सकती है। यह अपीलकर्ता को जमानत पर रिहा करने जैसा है। इसका मतलब यह है कि गांधी की पहली अपील सूरत सत्र न्यायालय और फिर गुजरात उच्च न्यायालय के समक्ष होगी। आरपीए के तहत, धारा 8(4) में कहा गया है कि दोषसिद्धि की तारीख से अयोग्यता केवल तीन महीने बीत जाने के बाद प्रभावी होती है। उस अवधि के भीतर, विधायक उच्च न्यायालय के समक्ष सजा के खिलाफ अपील दायर कर सकते थे। हालांकि, 2013 में लिली थॉमस बनाम यूनियन ऑफ इंडिया% के ऐतिहासिक फैसले में सुप्रीम कोर्ट ने आरपीए की धारा 8 (4) को असवैधानिक करार दिया।

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

महिला बाक्सरों का दिखा दम

> **"देखा जाए तो पिछले कुछ सालों से खेल में भारत का दबदबा बढ़ रहा है। लेकिन सबसे ज्यादा खुशी बाक्सरों की ओर से मिली है। भारत की चार महिला मुक्केबाजों ने अपने-अपने वर्गों में स्वर्ण पा कब्जा किया। वेटलिफ्टिंग, कुश्ती, बैडमिंटन, क्रि केट में भारत अपनी धमक जमा रहा है।**

भारत के लिए 26 मार्च खेलों में खास रहा। जहां इस पहली बार हो रहे महिला प्रीमियर लीग का खिताबी जीत का फैसला आ गया। इसमें मुंबई इंडियंस पहली बार चैम्पियन बनी वहीं विश्व मुक्केबाजी में भारत की निकहत व लवलीना ने स्वर्ण पदक हासिल की जबकि स्विस बैडमिंटन में भारत के सात्विक-चिराग की जोड़ी ने स्वर्ण प्राप्त किया। देखा जाए तो पिछले कुछ सालों से खेल में भारत का दबदबा बढ़ रहा है। लेकिन सबसे ज्यादा खुशी बाक्सरों की ओर से मिली है। भारत की चार महिला मुक्केबाजों ने अपने-अपने वर्गों में स्वर्ण पा कब्जा किया। वेटलिफ्टिंग, कुश्ती, बैडमिंटन, क्रि केट में भारत अपनी धमक जमा रहा है। बता दें शीर्ष भारतीय बॉक्सर निकहत जरीन ने रविवार को दूसरा विश्व चैंपियनशिप खिताब जीता जबकि लवलीना बोरगोहेन ने कांस्य का सिलसिला तोड़ते हुए पहली बार पीला तमगा अपने नाम किया। निकहत ने 50 किग्रा वर्ग के फाइनल में वियतनाम की एनगुएन थि ताम पर 5-0 से जीत दर्ज कर लाइट फ्लाईवेट खिताब अपने नाम किया।

वहीं दो बार की कांस्य पदक विजेता लवलीना ने आस्ट्रेलिया की कैटलिन पारकर को 5-2 से मात दी । इस जीत से निकहत महान बॉक्सर एमसी मैरीकॉम (छह बार की विश्व चैंपियन) के बाद दो बार यह प्रतिष्ठित खिताब जीतने वाली दूसरी भारतीय बन गयीं। इससे पहले शनिवार को नीतू गंघास (48 किग्रा) और स्वीटी बूरा (81 किग्रा) ने गोल्ड मेडल जीते थे। भारत ने इस महिला वर्ल्ड बॉक्सिंग चैंपियनशिप में चीन को पीछे छोड़ दिया। भारतीय बॉक्सर्स ने इस इवेंट के 12 में से चार गोल्ड पर कब्जा जमाया। भारत की चार की बॉक्सर सेमीफाइनल में पहुंची थीं। सभी ने गोल्ड जीतकर देश को मेडल डैली में पहले नंबर पर पहुंचा दिया। वहीं चीन दूसरे नंबर पर रहा। उसके मेडल भारत से ज्यादा हैं लेकिन गोल्ड कम होने की वजह से दूसरे नंबर से संतोष करना पड़ा। तीन के तीन गोल्ड के साथ एक सिल्वर और तीन ब्रॉन्ज हैं। महिला वर्ल्ड बॉक्सिंग चैंपियनशिप की शुरुआत 2001 में हुई थी। अभी तक 13 बार इस इवेंट का आयोजन किया जा चुका है। 14 गोल्ड, 8 सिल्वर और 21 ब्रॉन्ज के साथ भारत इसका तीसरा सबसे सफल देश है। रूस के नाम सबसे ज्यादा 25 गोल्ड समेत 63 मेडल हैं। चीन ने 21 गोल्ड, 16 सिल्वर और 20 ब्रॉन्ज पर कब्जा जमाया है। भारत ने 2006 में अपनी मेजबानी में चार स्वर्ण पदक जीतकर अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया था जिसमें देश के नाम आठ पदक रहे थे।मैरीकाम के बाद निकहत और उनके साथी बाक्सिंग में अपना दबदबा बना रहीं हैं।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

सवाल जनतंत्र और देश की गरिमा का

विश्वनाथ सचदेव

बच्चा जब कोई गलती करता है तो मां-बाप अक्सर बच्चे से माफी मंगवाते हुए दिखते हैं। पता नहीं बच्चा माफी मांगने का मतलब समझता है या नहीं, पर अक्सर वह 'सॉरी' बोलकर 'विवाद' खत्म कर देता है। न मां-बाप बच्चे को माफी मांगने का अर्थ समझाते हैं और न ही बच्चा ऐसी कोई आवश्यकता समझता है कि वह माफी मांगने की इस क्रिया का मतलब समझे। मां-बाप मान लेते हैं कि 'सॉरी' कहकर बच्चा सुधर गया और अक्सर बच्चा मान लेता है कि चलो बला टली! लेकिन हमारी संसद में 'माफी' वाली बला आसानी से टलती दिखाई नहीं दे रही। महत्वपूर्ण बजट-सत्र की दूसरी पारी, क्रिकेट की भाषा में कहें तो, धुलती नजर आ रही है।

पर हकीकत यह है कि हमारी राजनीति की चादर धुलने के बजाय और मैली होती जा रही है। रोज हमारे सांसद संसद के सदनों में जाते हैं, दोनों पक्ष रोज शोर-शराबा मचाते हैं और फिर पीठासीन अधिकारी सदन की कार्रवाही स्थगित कर देते हैं। सत्तारूढ़ पक्ष इस जिद पर अड़ा हुआ है कि कांग्रेस के नेता राहुल गांधी लंदन में की गयी अपनी 'गलती' के लिए संसद में क्षमा मांगें और विपक्ष का कहना है कि जब गलती हुई ही नहीं तो 'सॉरी' किस बात की। स्पष्ट है, यदि दोनों पक्ष अपनी बात पर अड़े रहते हैं तो बात बनने का कोई आधार नहीं बनता और यदि दोनों में से कोई एक पक्ष झुकता है तो इसे राजनीतिक जीत-हार की तरह भुनाने की कोशिश होगी। और सच बात यह है कि राजनीति के इस दांव-पेच में नुकसान जनतंत्र का हो रहा है। जनतांत्रिक व्यवस्था में विवाद सुलझाने का तरीका संवाद होता है, पर यदि संवाद की सारी प्रक्रिया नारेबाजी का शिकार बन कर रह जाये तो विवाद सुलझेगा कैसे? मान लीजिए सत्तारूढ़ पक्ष अपनी मांग से पीछे नहीं हटता और इस बात पर अड़ा रहता है कि राहुल गांधी माफी मांगें, और विपक्ष जवाब में अडानी कांड में जेपीसी नियुक्त करने की धुन अलापता रहता है तो क्या होगा? होगा यह कि सदन में बिना किसी विचार-विमर्श के, सत्तारूढ़ पक्ष शोर-शराबे के बीच अपने विधेयक पारित करा लेगा, भारी बहुमत के चलते संसद में बजट भी बिना किसी बहस के पारित हो जायेगा और संसद की कार्यवाही अगले सत्र के लिए स्थगित कर दी जायेगी!

सवाल यह उठता है कि राजनीति के इस घटिया खेल में जीत किसकी हुई, और हारा कौन? जीत किसी की भी हो, इस तरह की घटिया राजनीति में हारता जनतंत्र ही है। 'माफी मांगो' और 'जेपीसी नियुक्त करो' के इस शोर में अनसुनी विवेक की आवाज की हो रही है। जिस 'अपराध' के लिए कांग्रेस के नेता राहुल गांधी से माफी मांगने की मांग हो रही है, वह यदि अपराध है तो यह अपराध तो वे पहले भी करते रहे हैं। संसद में, और संसद के बाहर, यह बात राहुल गांधी समेत अन्य कई लोग भी बार-बार कहते रहे हैं कि देश में जनतांत्रिक व्यवस्था चरमरा रही है। सत्तारूढ़ पक्ष पर बार-बार यह आरोप लगता रहा है कि वह भारी-भरकम बहुमत का गलत लाभ उठा रहा है। सीबीआई और प्रवर्तन निदेशालय जैसी स्वायत्त एजेंसियों के दुरुपयोग के आरोप भी अक्सर लगते रहे हैं। नया यदि कुछ हुआ है तो सिर्फ यह कि इस बार विपक्ष के नेता ने यही सब बातें लंदन में जाकर कह दी हैं। लेकिन सवाल उठता है कि देश के बाहर जाकर यह सब कहना अधिक गंभीर अपराध कैसे हो गया? संचार-क्रांति के इस युग में, जब कोई बात पलभर में विश्व-व्यापी हो जाती है, यह कैसे मान लिया गया कि लंदन वालों को यह पता नहीं होगा कि भारत में विपक्ष सत्तारूढ़ दल पर किस तरह के आरोप लगा रहा है? और सवाल यह भी पूछा जाना चाहिए कि बजाय इसके कि आरोप की जांच हो, उस पर कोई कार्रवाई हो, आरोप लगना ही ऐसा अपराध कैसे हो गया कि जिसके लिए क्षमा मांगी जाये? या जिसके कारण संसद की कार्यवाही ठप्प हो जाए? क्षमा मांगना छोटी बात नहीं है, बहुत मुश्किल होता है क्षमा मांगना, और उतना ही मुश्किल होता है दिल से क्षमा करना भी। 'सॉरी' कह देना कुछ माने नहीं रखता, यह अनुभव

करना माने रखता है कि मुझसे कोई गलती, कोई अपराध हो गया है। इसी तरह किसी की माफी को स्वीकारना भी आसान काम नहीं है। माफ करने का मतलब होता है, बीती को बिसार देना, और बीती को बिसारने का मतलब है किसी की गलतियों को भूलकर नये सिरे से रिश्तों की शुरुआत करना। क्या हमारा सत्तारूढ़ दल ऐसी किसी शुरुआत के लिए तैयार है? हमारी राजनीति में माफी मांगने, और माफ करने के नाटक पहले भी होते रहे हैं। कोई अर्थ नहीं है ऐसे किसी नाटक का यदि उद्देश्य मात्र राजनीतिक लाभ उठाना ही हो। राजनीति के इस दांव-पेच में घायल हमारा जनतंत्र हो रहा है। देश इस बात से बदनाम नहीं होता कि किसी नेता ने विदेश में जाकर भारत में जनतंत्र की भावना के साथ खिलवाड़ की बात कह दी है, देश बदनाम इस बात से हो रहा है कि देश में जनतंत्र की भावना के साथ खिलवाड़ हो रहा है।

उनके डंके में गुम रही जो आवाज!

हेमंत पाल

फिल्मी दुनिया के रिवाज अजीब हैं। यहां एक बड़ी प्रतिभा के पीछे कई दूसरी प्रतिभाएं दब जाती हैं। ऐसे ही जब मंगेशकर बहनों का डंका बजता था, तब कई मधुर पार्श्व गायिकाओं को आगे बढ़ने का मौका नहीं मिला। ऐसी ही एक गायिका हैं, सुमन कल्याणपुर। उन्होंने अपने दौर के करीब सभी बड़े संगीतकारों के लिए गीत गाये। उनकी आवाज और गायकी का अंदाज काफी हद तक लता मंगेशकर से मिलता था। यही कारण रहा कि जब भी लता की किसी संगीतकार या गायक से अनबन हुई, तो उसका लाभ सुमन कल्याणपुर को मिला। लेकिन, उनके जीवन में एक घटना ऐसी घटी जो उन्हें आज भी कचोटती है। महाराष्ट्र के नांदेड़ में आयोजित 'आषाढी महोत्सव' के दौरान सुमन कल्याणपुर ने उस बात का खुलासा भी किया था।

उन्होंने बताया था कि 1946 में पंडित जवाहरलाल नेहरू के सामने मुझे 'ए मेरे वतन के लोगो' गीत गाने का मौका मिला था। यह जानकर मेरी खुशी का ठिकाना नहीं रहा। लेकिन, जब कार्यक्रम के दौरान गाना गाने को मंच के पास पहुंची तो मुझे रोका और कहा गया कि इस गाने के बजाय आप दूसरा गाना गाएं। कल्याणपुर ने बताया था कि 'ए मेरे वतन लोगो' मुझसे छीन लिया गया। एक समय जब किसी मामले में मोहम्मद रफी और लता मंगेशकर में अनबन हुई तो इसका लाभ सुमन कल्याणपुर को मिला। रफी के साथ गाये उनके अधिकांश गीत कामयाब हुए। दिल एक मंदिर है, तुझे प्यार करते हैं करते रहेंगे, अगर तेरी जलवानुमाई न होती, मुझे ये फूल न दे, बाद मुद्दत के ये घड़ी आई, ऐ जाने तमन्ना जाने बहारां, तुमने पुकारा और हम चले आए, अजहूं न आए बालमा, ठहरिए होश में आ लूं तो चले जाईएगा, ना ना करते प्यार तुम्हीं से कर बैठे, रहें ना रहें हम महका करेंगे, इतना है तुमसे प्यार मुझे मेरे राजदार और 'दिले बेताब को सीने से लगाना होगा' जैसे गीत उसी दौर में बने थे।

अपनी गुमनाम जिंदगी के बावजूद सुमन कल्याणपुर का लता मंगेशकर से हमेशा अपनत्व बना रहा। उन्हें आज भी लताजी के गाने पसंद हैं। उनका कहना है कि लता दीदी की आवाज बहुत कोमल और मधुर थी। उनकी आवाज मतलब एक ऐसा स्वर जो हम सभी के लिए आदर्श था। मैं उनसे चार या पांच बार ही मिली, लेकिन जब भी मिली तो मुझे अपनापन महसूस होता था। हमारा एक ही डुएट गाना 'चांद के लिए' भी रिकॉर्ड हुआ था।' सुमन कल्याणपुर का जन्म 28 जनवरी, 1937 को ढाका में सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया के बड़े बाबू शंकरराव हेमाड़ी के यहां उनकी पहली संतान के रूप में हुआ। शंकर बाबू और उनकी पत्नी सीता ने अपनी बेटी का नाम सुमन रखा। बच्चों की बेहतर पढ़ाई के लिए शंकर बाबू सपरिवार 1943 में मुंबई चले आए। उनके घर में कला और संगीत की तरफ सभी का झुकाव था। पहली बार उन्हें 1952 में 'ऑल इंडिया रेडियो' पर गाने का मौका मिला। ये सुमन कल्याणपुर का पहला सार्वजनिक कार्यक्रम था!

इसके बाद 1953 में उन्हें मराठी फिल्म 'शुक्राची चांदनी' में गाने का मौका मिला। उन्हीं दिनों शेख मुख्तार फिल्म 'मंगू' बना रहे थे जिसके संगीतकार मोहम्मद शफी थे। मराठी गीतों से प्रभावित होकर ही उन्होंने 'मंगू' में तीन गीत रिकॉर्ड करवाए थे। किन्तु, न जाने क्या हुआ और 'मंगू' के संगीतकार को बदल दिया गया। मोहम्मद शफी की जगह ओपी नैयर आ गए। उन्होंने सुमन कल्याणपुर के तीन में से दो गीत हटा दिए और सिर्फ एक लोरी 'कोई पुकारे धीरे से तुझे' ही रखी। 'मंगू' के फौरन बाद उन्हें इस्मत चुगताई और शाहिद लतीफ की फिल्म 'दरवाजा' में नौशाद के साथ पांच गीत गाने का मौका मिला। साल 1954 में उन्हें ओपी नैयर के निर्देशन में बनी फिल्म 'आरपार' के हिट गीत 'मोहब्बत कर लो, जी भर लो, अजी किसने रोका है' में रफी और गीता का साथ देने का मौका मिला था। सुमन के मुताबिक इस गीत में उनकी गायी एकाध पंक्ति को छोड़ दिया जाए तो उनकी हैसियत महज कोरस गायिका की रह गई थी। आज भी उनका नाम उन सुरीली गायिकाओं में होता है, जिन्होंने लता मंगेशकर के एकाधिकार के दौर में अपनी पहचान बनाई। इसके बावजूद उन्हें वो जगह कभी नहीं मिली, जिसकी वो हकदार थीं। शास्त्रीय गायन की समझ, मधुर आवाज और लम्बी रेंज जैसी सभी खासियतों के होते हुए भी सुमन कल्याणपुर को कभी लता मंगेशकर की परछाई से मुक्त नहीं होने दिया गया।

करीब तीन दशक के अपने कैरियर में उन्होंने कई भाषाओं में तीन हजार से ज्यादा फिल्मी-गैर फिल्मी गीत-गजल गाये। बचपन से सुमन कल्याणपुर की पेंटिंग और संगीत में दिलचस्पी थी। अपने पारिवारिक मित्र और पुणे की प्रभात फिल्म्स के संगीतकार पंडित 'केशवराव भोले' से उन्होंने संगीत सीखा। उन्होंने गायन को शौकिया सीखना शुरू किया था। लेकिन, धीरे-धीरे इस तरफ उनकी गंभीरता बढ़ने लगी तो वो विधिवत 'उस्ताद खान अब्दुल रहमान खान' और 'गुरुजी मास्टर नवरंग' से संगीत की शिक्षा लेने लगीं। सत्तर के दशक में नये संगीत निर्देशकों और गायिकाओं के आने के साथ ही सुमन कल्याणपुर की व्यस्तताएं कम हो गई। 1981 में बनी फिल्म 'नसीब' का 'रंग जमा के जाएंगे' उनका आखिरी रिलीज गीत साबित हुआ। सुमन कल्याणपुर को रसरंग (नासिक) का 'फाल्के पुरस्कार' (1961), सुर सिंगार संसद का 'मियां तानसेन पुरस्कार' (1965 और 1970), 'महाराष्ट्र राज्य फिल्म पुरस्कार' (1965 और 1966), 'गुजरात राज्य फिल्म पुरस्कार' (1970 से 1973 तक लगातार) जैसे करीब एक दर्जन पुरस्कार मिल चुके हैं। उन्हें मध्यप्रदेश सरकार ने भी वर्ष 2017 के लिए राष्ट्रीय लता मंगेशकर सम्मान दिया। बरसों की गुमनामी के बाद अब उन्हें पद्मश्री दिया जाना एक गलती को सुधारने जैसी बात है।

खूबसूरत वाइल्डलाइफ और पहाड़ हैं असम के मनमोहक आकर्षण

घने पेड़ों से सजे जंगल, अनमोल वाइल्डलाइफ, विस्तार में पसरा नदी का आँचल और पहाड़ों का सुरक्षित घेरा, असम में यह सब कुछ मिलेगा। चाहे प्रकृति के सानिध्य में सुकून भरा समय बिताना चाहें या एक बड़ी सी नाव में ब्रह्मपुत्र की सैर करना या फिर गहरे-घने जंगल में अनूठे पशु-पक्षियों के सुमधुर संगीत के बीच आनंद लेना चाहें, यह सबकुछ असम की सैर में मिल सकता है। इसके साथ ही उत्तरपूर्वी संस्कृति और परम्पराओं की महक तो यहाँ मिलेगी ही। यहां आप फोटोग्राफी के उद्देश्य से भी आ सकते हैं और परिवार या दोस्तों के साथ मौज-मस्ती के इरादे से भी। यहां हर उम्र के व्यक्ति के लिए कुछ न कुछ ख़ास है। मां कामख्या का मंदिर तो पूरी दुनिया में प्रसिद्ध है। वहीं दूर दूर तक फैले टी एस्टेट की आंखों को सुकून देने वाली हरियाली भी एक विशेष अनुभव देती है। एडवेंचर और मनमोहक दृश्यों से भरपूर यह यात्रा आपके अनुभवों को और समृद्ध बनाने में मदद करेगी।

आस्था और भक्ति से भरपूर

असम में ही मौजूद है मां कामख्या का मंदिर। गुवाहाटी से करीब 10 किलोमीटर के दायरे में स्थित इस मंदिर का अद्भुत प्रभाव दर्शनार्थियों को मंत्रमुग्ध कर देता है। अलौकिक योनि स्वरूप में यहां उपस्थित माता सती के दर्शनों की आस लेकर दूर-दूर से लोग आते हैं। यह देश के सबसे ख्यात शक्तिपीठों में से एक है और मान्यता है कि यहां दर्शन करने से हर मुराद पूरी होती है। लोग अपनी मुरादों के लिए यहां मन्नत की घंटियां बांधकर जाते हैं। सबसे खास बात यह कि इस मंदिर में महिलाओं को शक्ति रूप में ही मान्यता देते हुए उनका सम्मान किया जाता है।

असम की खूबसूरती यहां के पहाड़ों में भी बसती है। ट्रैकिंग के शौकीनों के लिए यहां मुस्तैदी से खड़े और हरियाली से भरे पहाड़ ख़ास दावत पेश करते हैं। इन्हीं के बीच बसे हैं कई छोटे छोटे खूबसूरत गांव और लेक (भालुकपोंग और सेला लेक) यहां की खूबसूरती आपका मन मोह लेगी। यहां आपको परम्परिक असमिया लोककला और स्वाद का आनंद लेने का मौका भी मिल सकता है। वहीं दूर दूर तक फैले हैं टी एस्टेट, जहां चाय की पत्तियों की ताज़ी खुशबू आपको रोक लेगी और आप मन ही मन स्व. भूपेन हज़ारिका जी का गीत एक कली दो पत्तियां, नाजुक नाजुक उंगलियां, गुनगुनाने को मजबूर हो जाएंगे।

चाय बागान और पहाड़ियां

एक सींग वाले गैंडे हैं आकर्षण

असम का कांजीरंगा नेशनल पार्क पूरे विश्व में इसकी जैव विविधता के लिए पहचाना जाता है। यहां विश्व प्रसिद्ध एक सींग वाले गैंडे पाए जाते हैं जिनको देखने के लिए हर साल बड़ी संख्या में टूरिस्ट यहां आते हैं। लेकिन यह केवल एक जगह ही नहीं है जो असम में वाइल्डलाइफ के लिए प्रसिद्ध है। इसके अलावा मानस नेशनल पार्क भी विश्वस्तर पर ख्याति पाई हुई जगह है और इसे यूनेस्को ने नैचुरल वर्ल्ड हेरिटेज साइट के रूप में मान्यता दी है। यहां टाइगर रिज़र्व और एलिफेंट रिजर्व भी हैं।

विस्तार में बहती ब्रह्मपुत्र

चौड़े से पाट वाली ब्रह्मपुत्र नदी का शुमार दुनिया की बड़ी नदियों में किया जाता है। ख़ास बात यह है कि जहां देश की बाकी नदियों यानी गंगा, जमुना आदि को स्त्री रूप में माना जाता है, ब्रह्मपुत्र पुरुष स्वरूप में पहचान प्राप्त है। यहां आप क्रूज़ में भी सवारी कर सकते हैं और पारम्परिक नाव में भी। इसके अलावा माजुली आयलैंड की खूबसूरती को भी आप निहार सकते हैं। इसका शुमार भी दुनिया के बड़े आइलैंड्स में होता है और अब इसे बकायदा एक जिले के रूप में मान्यता मिल चुकी है। पर्यटकों के लिए यह विशेष आकर्षण का केंद्र है।

वैभवशाली राजाओं का इतिहास

असम में सैकड़ों साल पहले आहोम राजाओं द्वारा यहां बनवाई गई इमारतें आज भी लगभग उसी मुस्तैदी से खड़ी हैं। दो मंजिला रॉग घर यानी वह जगह जहां राजा बैठकर सामने चल रहे खेलों का आनंद लिया करते थे। ठीक जैसे आजकल वीआईपी लोग पैवेलियन में बैठकर मैच का लुत्फ उठाते हैं। इसे एशिया का सबसे पुराना एम्फीथियेटर भी कहा जाता है। इसे अलावा करेंग घर, सिवाडोल में मौजूद खूबसूरत प्राचीन मंदिर आदि की सैर भी आपको उस बेजोड़ और भव्य आर्किटेक्चर से रूबरू करवाएगी जो आज से सैकड़ों साल पुराना है।

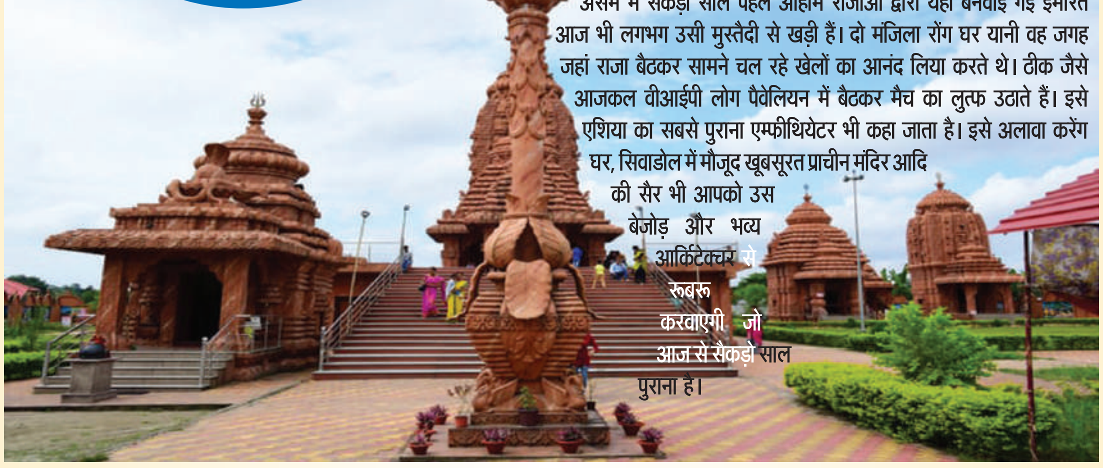

हंसना मना है

गब्बर की मिमिकी कर एक बिहारी अपने दोस्त से बोला - कब है, कब है होली, कब है होली... दोस्त बोला-शराब तो बंद है, तो होली से क्या काम है... बिहारी बोला-खाली बैठा हूं...सोच रहा हूं... पिचकारी की दुकान लगा दूं...

इंटरव्यू में सवाल-जवाब, एचआर - अच्छा, आपका नाम पप्पू है ? पप्पू-जी, इस गोले पर पप्पू ही नाम है मेरा...

एचआर-बढ़िया, आपके लिए पहला सवाल है जावा के चार वर्जन क्या है, पप्पू-फुले न समाकर बोला-आपको तो पता ही होगा, एचआर-हां, पर मुझे आप से सुनना है...पप्पू-ये आपने अच्छी बात की है और मुझे गाने का भी शौक है... इंटरव्यूर-मतलब, पप्पू-मर जावा, मिट जावा, लूट जावा और सदके जावा... इतना सुनते ही एचआर बोला- बहुत बढ़िया अब आप सीधे घर जावा...

कहानी — मां की महिमा

मां की महिमा का बखान जितना भी किया जाए वो कम है। मां के प्यार का कर्ज कोई नहीं चुका सकता और मां की जरूरत क्या है, इसे स्वामी विवेकानंद ने बखुबी समझाया है। एक बार किसी व्यक्ति ने स्वामी विवेकानंद जी से सवाल किया, दुनिया में मां की महिमा इतनी क्यों है और इसका कारण क्या है? इस सवाल को सुनने के बाद स्वामी जी के चेहरे पर मुस्कान फैल गई। इस सवाल का जवाब देने के लिए उन्होंने उस व्यक्ति के सामने एक शर्त रखी। विवेकानंद जी की शर्त के अनुसार उस व्यक्ति को 5 किलो के पत्थर को एक कपड़े में लपेट कर उसे अपने पेट पर 24 घंटे तक बांधना था और फिर स्वामी जी के पास जाना था। इसके बाद उसे अपने सवाल का जवाब स्वामी विवेकानंद जी से मिलना था। स्वामी जी के कहे अनुसार उस व्यक्ति ने एक पत्थर को अपने पेट पर बांधा और वहां से चला गया। अब उसे पत्थर बांधे-बांधे ही अपना सारा दिनभर का काम करना था, लेकिन उसके लिए ऐसा करना मुश्किल हो रहा था। पत्थर के बोझ के कारण वह जल्दी थक गया। दिन तो जैसे-तैसे गुजर गया, लेकिन शाम होते-होते उसकी हालत खराब हो गई। जब उससे रहा नहीं गया, तो वह सीधा स्वामी जी के पास गया और बोला, स्वामी जी मैं इस पत्थर को ज्यादा समय तक बांधकर नहीं रख सकता। सिर्फ एक सवाल का जवाब जानने के लिए मैं इतना कष्ट नहीं सह सकता। उस व्यक्ति की बात सुनकर स्वामी जी मुस्कुराते हुए बोले, तुम 24 घंटे भी पत्थर का भार संभाल नहीं सके और मां अपनी कोख में बच्चे को नौ महीने तक रखती है और सभी तरह के काम करती है। इसके बाद भी उसे जरा भी थकान महसूस नहीं होती। इस पूरे संसार में मां जैसा और कोई नहीं है, जो इतना शक्तिशाली और सहनशील हो। मां तो शीतलता और सहनशीलता की मूरत है। मां से बढ़कर इस दुनिया में कोई नहीं है।

कहानी से सीख: स्वामी विवेकानंद जी इस कहानी के माध्यम से लोगों को यह सीख देना चाहते थे कि इस संसार में मां जितना धैर्यवान और सहनशील कोई और नहीं है। मां से बढ़कर इस दुनिया में कुछ नहीं हो सकता।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

योग और अध्यात्मिक क्षेत्र के लोगों के लिए आज का दिन बढ़िया रहेगा। वरिष्ठों और प्रभावशाली व्यक्तियों से लाभ पाने के लिए अतिरिक्त प्रयास करने होंगे।

वृषभ

आपके लिए आज का दिन अच्छा रहेगा। आपकी सोचने समझने की शक्ति मजबूत होगी। आप खुश होंगे। परिवार का माहौल अच्छा रहेगा। आपको सुख शांति मिलेगी।

मिथुन

आज आपको रुका हुआ पैसा वापस मिलेगा। इस राशि के जो लोग अपना बिजनेस करते हैं, उन्हें मुनाफा मिलने की संभावना है। आपका करियर नये रूप में उभरेगा।

कर्क

आज का दिन आपके लिए काफी घटनाप्रधान रह सकता है। आय में अनियमितता के कारण कुछ परेशानी हो सकती है। अध्यात्मिक कार्यों में रूचि बढ़ सकती है।

सिंह

आपके लिए आज का दिन ठीक-ठाक कहा जा सकता है। व्यापार वृद्धि को प्राप्त होगा। काम के सिलसिले में नौकरी आपके लिए अच्छा फल लेकर आएगी।

कन्या

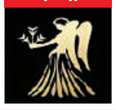

आज के दिन मां कालरात्रि की उपासना से आप हर तरह के भय, रोग आदि से दूर रहेंगे। ऑफिस के काम में आपको पूर्ण सफलता मिलेगी।

तुला

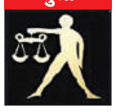

आज का दिन आपके लिए उर्जा से भरा है। आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। प्रेम संबंधों में कुछ विवादास्पद घटनाक्रम सामने आ सकते हैं, सावधानी से आचरण करें।

वृश्चिक

आपके लिए आज का दिन अच्छा रहेगा। आप नई-नई योजनाओं पर काम करने का विचार करेंगे और कुछ में सफलता भी प्राप्त करेंगे। दांपत्य जीवन में प्रेम बढ़ेगा।

धनु

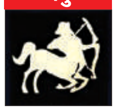

आज शिक्षा के क्षेत्र में आपको कोई बड़ी कामयाबी मिलेगी। देवी कालरात्रि की कृपा से आपके कार्य अच्छे से पूरे होंगे। आपके धन के खजाने भरे रहेंगे।

मकर

आप के लिए दिन सुस्ती भरा है और इसलिए आप इसकी वजह से थोड़े चिंतित भी रह सकते हैं। आपको एकाग्रता में कुछ समस्याएं हो सकती हैं।

कुम्भ

आपके लिए आज का दिन उतार-चढ़ाव से भरा रहेगा। सेहत कमजोर रहेगी और खर्चे भी बढ़ेंगे। यह स्थिति मानसिक तनाव के साथ-साथ आर्थिक परेशानी में भी दे सकती हैं।

मीन

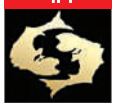

आज आपके दिन में कुछ नयी यादें जुडेगी। मां कालरात्रि की कृपा से ऑफिस में सबके साथ सामंजस्य बिठाने में आप सफल रहेंगे। जॉब के मामले में सब कुछ अच्छा रहेगा।

जाह्नवी कपूर ने शुरू की जूनियर एनटीआर संग एनटीआर 30 की शूटिंग

फिल्मकार एस.एस. राजमौली सुपरस्टार एनटीआर जूनियर की आगामी अभी तक बिना शीर्षक वाली तेलुगू फिल्म एनटीआर 30 के लिए पहला क्लैप देते नजर आए, जिसमें जाह्नवी कपूर भी हैं। जाह्नवी कपूर इस फिल्म से अपना तेलुगु डेब्यू करने को तैयार हैं। निर्देशक कोराताला शिवा के साथ तेलुगू परियोजना को आधिकारिक तौर पर गुरुवार को पूजा समारोह के साथ लॉन्च किया गया। यह जाह्नवी कपूर की पहली तेलुगु फिल्म है। लॉन्च की तस्वीरों और वीडियो ने सोशल मीडिया पर तूफान ला दिया है। एक तस्वीर में एनटीआर जूनियर और जाह्नवी हाथ मिलाते नजर आ रहे हैं। एक क्लिप में तेलुगु स्टार दिवंगत स्टार श्रीदेवी की बेटी का स्वागत करते हुए देखे जा सकते हैं, जो लाइम ग्रीन साड़ी और मैचिंग ब्लाउज में बहुत खूबसूरत लग रही थी।

फिल्म को लेकर अभी नहीं हुआ खुलासा

एक अन्य वीडियो में, एनटीआर जूनियर और जाह्नवी मंच पर राजमौली के साथ खड़े हैं। उन्होंने पहला क्लैप शॉट दिया और शूट की शुरुआत की घोषणा की। जनता गैराज के बाद एनटीआर एनटीआर 30 के लिए कोराताला शिवा के साथ फिर से जुड़ रहे हैं। फिल्म के बारे में अन्य विवरण अभी गुप्त हैं।

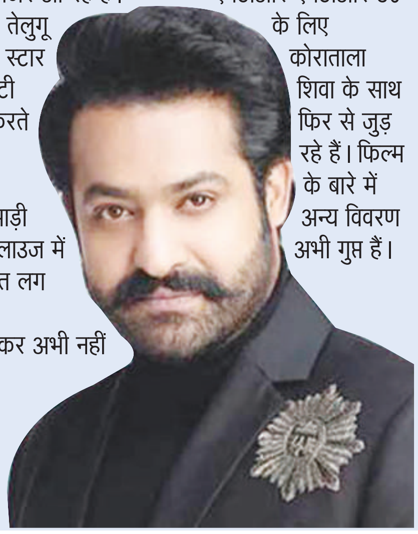

एक्शन सीन के दौरान चोटिल हुए अक्षय कुमार

अक्षय कुमार से जुड़ी बड़ी खबर सामने आ रही है। मीडिया के रिपोर्ट्स के अनुसार बड़े मियां छोटे मियां की शूटिंग की दौरान उन्हें चोट लगी है। खबरों के अनुसार टाइगर श्रॉफ के साथ एक्शन सीन शूट कर रहे थें। इस दौरान अक्षय कुमार को चोट लग गई। इस हादसे के बाद भी अक्षय कुमार ने फिल्म की शूटिंग नहीं रोकी और चोट लगने के बाद काम करते रहे।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार अक्षय कुमार ने एक्शन सीन के दौरान खुद को घायल कर लिया। एक्टर अपनी फिल्म के बाकी हिस्सों की शूटिंग जारी रखेंगे, क्योंकि उन्हें गंभीर चोट नहीं आई है। लेकिन एक्शन सीन्स को फिलहाल के लिए रोक दिया गया है।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार अक्षय कुमार टाइगर श्रॉफ के साथ एक्शन सीन की शूटिंग कर रहे थें। इसी दौरान उन्होंने चोट लगी। एक्टर के घुटने पर ब्रेसेस लगे हैं। हालांकि एक्शन सीन को फिलहाल के लिए रोक दिया गया है। बाकी फिल्म के क्लोज-अप के साथ शूट जारी रखे है। बड़े मियां छोटे मियां में अक्षय कुमार और टाइगर श्रॉफ के अलावा सोनाक्षी सिन्हा और पृथ्वीराज सुकुमारन भी होंगे। फिल्म का डायरेक्शन अली अब्बास जफर कर रहे हैं। अली अब्बास टाइगर जिंदा है, सुल्तान, मेरे ब्रदर की दुल्हन और गुंडे फिल्म का डायरेक्शन कर चुके हैं।

बॉलीवुड | मन की बात

उर्फी जावेद की जिंदगी में हुई नए शख्स की एंट्री?

उर्फी जावेद हर रोज मीडिया की सुर्खियों में बनी रहती हैं। यूं तो अक्सर वह अपने फैशन और स्टाइल की वजह से ही लोगों का ध्यान आकर्षित करती हैं। मगर, इस बार वह अपनी निजी जिंदगी की वजह से खबरों में हैं। अपने अतरंगी फैशन से लोगों का दिल धड़काने वाली उर्फी की जिंदगी में एक नए शख्स की एंट्री हो गई है। इस बात का इशारा खुद उन्होंने सोशल मीडिया पर एक तस्वीर साझा कर किया है। उर्फी जावेद ने अपने आधिकारिक ट्विटर अकाउंट से एक तस्वीर साझा की है। इस तस्वीर में फूलों से सजा एक गुलदस्ता नजर आ रहा है और उसके बराबर में एक कार्ड रखा है। इस कार्ड पर जो लिखा है, उसे पढ़ने के बाद लोगों ने उर्फी की जिंदगी को लेकर नए-नए अनुमान लगाने शुरू कर दिए हैं। दरअसल, इस कार्ड पर लिखा है, उसने हां कर दिया। इस तस्वीर पर हार्ट इमोजी भी बना हुआ है। उर्फी जावेद ने यह प्रोपजल फोटो शेयर करते हुए फैंस को पूरी तरह कंफ्यूज कर दिया है। इस तस्वीर पर यूजर्स के अलग-अलग कमेंट्स आ रहे हैं। एक यूजर ने लिखा, अच्छा है, बेचारे को उर्फी के कपड़ों पर पैसे खर्च नहीं करने पड़ेंगे। उर्फी जैसी वाइफ किस्मत वालों को मिलती है। एक अन्य यूजर ने लिखा, कौन है? किसकी इतनी हिम्मत कि उसने आपको हां कहा। उर्फी की इस प्रोपजल वाली पोस्ट पर कुछ यूजर्स उन्हें ट्रोल भी कर रहे हैं। एक यूजर ने लिखा, क्या मुझे पूरे कपड़े पहनने चाहिए? शायद आपने यह सवाल पूछा होगा। एक अन्य यूजर ने लिखा, नहीं ऐसा नहीं हो सकता है। इस तस्वीर को देखने के बाद गपशप गलियों में उर्फी के रिलेशनशिप की खूब खबरें उड़ने लगी हैं। बता दें कि उर्फी अक्सर अपनी निजी जिंदगी से जुड़ी बातें पब्लिकली शेयर करने में झिझकती नहीं हैं। कई बार वह अपने पिता और परिवार को लेकर बात कर चुकी हैं।

गिरगिट के अलावा ये जीव भी बदलते हैं अपने शरीर का रंग

गिरगिट के रंग बदलने के बारे में तो आप जानते ही होंगे, लेकिन क्या आप जानते हैं दुनिया में ऐसे कई और भी जीव हैं जो गिरगिट की तरह ही अपने शरीर का रंग बदल लेते हैं। ये जानकर आपको भले ही हैरानी हो रही हो लेकिन बात बिल्कुल सही है। क्योंकि गिरगिट के अलावा और भी कई जीव खतरा होने पर या शिकार करने के लिए अपने शरीर का रंग बदल लेते हैं। अपने शरीर का रंग बदलने की वजह से ही ये जीव जन्तु खुद को जिंदा रख पाते हैं। आज हम आपको ऐसे ही कुछ जीवों के बारे में बताने जा रहे हैं जो अपने शरीर का रंग बदल लेते हैं।

स्कॉर्पियन फिश: ये मछली खुद को शिकारियों से बचाने के लिए अपने शरीर का रंग बदल लेती है। बता दें कि स्कॉर्पियन फिश को काफी जहरीली माना जाता है जिसकी रीढ़ की हड्डी में जहर भरा होता है। इसी जहर के चलते इसे पकड़ने के लिए काफी सावधानी बरतनी पड़ती है।

सीहॉर्स: सीहॉर्स भी एक समुद्री जीव है, जो गिरगिट की तरह ही अपने शरीर का रंग बदलने में माहिर होता है। सीहॉर्स शिकार करने के दौरान या खुद को बचाने के अलावा भी अपनी फीलिंग्स को जताने के लिए अपने शरीर का रंग बदल लेता है। ऐसा इसलिए होता है क्योंकि सीहॉर्स के शरीर में क्रोमेटोफोर्स नामक का तत्व पाया जाता है। जो तेजी से रंग बदलने में मदद करता है। लेकिन साथी से मिलन के दौरान ये धीरे-धीरे रंग बदलता है।

गोल्डन टॉरटॉइज बीटल: इसके अलावा गोल्डन टॉरटॉइज बीटल एक छोटा सा कीड़ा होता है। जो गिरगिट की तरह अपने शरीर का रंग बदल सकता है। इसको जब भी कोई इंसान छूने की कोशिश करता है तो ये अपने शरीर का रंग बदल लेता है। इसके अलावा डर लगने पर ये अपने शरीर का रंग बदलकर आसपास की चीज में धुलमिल जाता है। साथ ही अपने साथी से मिलन के दौरान भी ये अपना रंग बदलते हैं। वैसे ये सुनहरे रंग के होते हैं लेकिन रंग बदलने के दौरान ये लाल चमकीले रंग के हो जाते हैं।

मिमिक ऑक्टोपस: मिमिक ऑक्टोपस भी एक समुद्री जीव है जो आमतौर पर प्रशांत महासागर में पाए जाते हैं। ये किसी भी परिवेश में खुद को ढालने के लिए अपना रंग बदल लेते हैं। इनके शरीर का आकार लचीला होता है जिसके कारण ये रंग के साथ-साथ अपने शरीर का आकार भी बदल लेते हैं।

अजब-गजब | भगवान को चुराने की है प्रथा! मरो या मारो!

भारत का अनोखा त्योहार जिसमें एक दूसरे को लाठियों से मारते हैं लोग

भारत विविधताओं का देश तो है, साथ ही त्योहारों का देश भी है। यहां कई तरह के अलग-अलग त्योहार होते हैं जो इतने खास होते हैं कि उन्हें मनाने वालों में बहुत उत्साह होता है। कई त्योहार में विचित्र मान्यताएं होती हैं, पर चूंकि उनमें लोगों की आस्था होती है, इसलिए उन्हें भी उतना ही सम्मानपूर्व मनाया जाता है जितना अन्य त्योहारों को मनाते हैं। अजीबोगरीब मान्यता वाला एक त्योहार आंध्र प्रदेश में धूमधाम से मनाया जाता है जिसमें लोग एक दूसरे के सिर पर लाठियां मारते हैं।

आंध्र प्रदेश में काफी वक्त से बन्नी नाम का एक उत्सव मनाया जाता है। इस त्योहार का एक मात्र सिद्धांत है, मरो या मारो! त्योहार में लोग लाठियां लेकर मंदिर जाते हैं और एक दूसरे को सिर पर लाठी से मारते हैं। हर साल दशहरे की रात, सैकड़ों पुरुष कुरनूल के देवरागट्टू मंदिर की ओर जाते हैं। वो अपने साथ हाथों में लाठियां लिए रहते हैं जिससे वो एक दूसरे के सिर पर मार सकें।

आंध्र प्रदेश और कर्नाटका, दोनों ही राज्यों के लोग यहां आते हैं क्योंकि मंदिर दोनों राज्यों के बॉर्डर के नजदीक है। जब देर रात होती है और त्योहार की मान्यताएं शुरू होती हैं तो देवी पार्वती (मलम्मा) की मूर्ति और भगवान शिव (माल लेश्वरा स्वामी) की मूर्ति को पहाड़ी से नीचे लाया जाता है। पूजा और भगवान का कल्याणम करवाने के बाद उनकी मूर्ति को कपड़ों में बांधकर श्रद्धालु नीचे लाते हैं। कुछ श्रद्धालु उसके चारों ओर एक घेरा बना लेते हैं जिससे मूर्ति को सुरक्षित रखा जा सके। बाकी लोग उस मूर्ति को चुराने की कोशिश करते हैं।

श्रद्धालु अपने साथ मशाल लिए रहते हैं जिससे वो मूर्ति की रक्षा कर सकें। इसी बीच में लाठियों का इस्तेमाल होता है और मूर्ति छीनने के लिए एक दूसरे पर वार किया जाता है। नेरंकी गांव के लोग मूर्ति को बचाते हैं वहीं कोठापेट और अन्य गांव के लोग उसे चुराने की कोशिश करते हैं। इस त्योहार के दौरान डॉक्टर और चिकित्सा से जुड़े सामानों का भी इंतजाम कर दिया जाता है और अगर कोई गंभीर रूप से घायल होता है तो उसे अस्पताल भेजवाया जाता है। त्योहार विजयनगर साम्राज्य के वक्त से चल रहा है। माना जाता है कि माला-माल्लेश्वर द्वारा राक्षस के वध का ये जश्न होता है। बहुत बार इस त्योहार में लोगों के घायल होने की भी खबरें आती हैं।

फ्लैग ऑफ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को अपने सरकारी आवास पर 26वीं अखिल भारतीय वन खेलकूद प्रतियोगिता में पदक विजेताओं का उत्साह वर्धन किया और जल उत्सव माह का शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर सीएसआर फंड से वन विभाग को मिली 250 मोटरबाइक और 34 स्कूटी के फ्लैग ऑफ कार्यक्रम को भी संबोधित किया।

सावरकर हमारे आदर्श, अपमान बर्दाश्त नहीं करेंगे: उद्धव ठाकरे

» राहुल से बोले -लोकतंत्र की रक्षा के लिए साथ आए

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

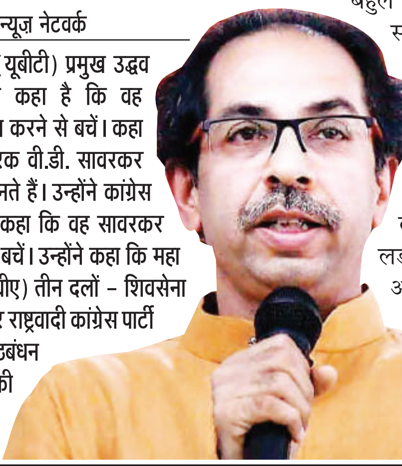

मालेगांव। शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने राहुल से कहा है कि वह सावरकर का अपमान करने से बचें। कहा कि वह हिंदुत्व विचारक वी.डी. सावरकर को अपना आदर्श मानते हैं। उन्होंने कांग्रेस नेता राहुल गांधी से कहा कि वह सावरकर का अपमान करने से बचें। उन्होंने कहा कि महा विकास अघाड़ी (एमवीए) तीन दलों - शिवसेना (यूबीटी), कांग्रेस और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) - का गठबंधन है, जिसे लोकतंत्र की रक्षा के लिए बनाया गया था और इसके लिए एकजुट होकर काम करना जरूरी था।

उत्तरी महाराष्ट्र के नासिक जिले के मुस्लिम बहुल शहर मालेगांव में एक रैली को संबोधित करते हुए ठाकरे ने यह भी कहा कि जानबूझ कर राहुल गांधी को उकसाने के प्रयास किए जा रहे हैं. उन्होंने कहा, ''सावरकर हमारे आदर्श हैं और उनका अपमान बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। हमें अपने लोकतंत्र की रक्षा के लिए मिलकर लड़ना होगा। सावरकर ने 14 साल तक अंडमान जेल में अकल्पनीय यातनाएं झेलीं., हम केवल पीड़ाओं को पढ़ सकते हैं, यह बलिदान एक प्रतीक है।

प्रेसवार्ता में राहुल ने सही सवाल उठाया

उद्धव ठाकरे ने कहा यदि हम इस समय को व्यर्थ जाने देंगे तो लोकतंत्र का अस्तित्व समाप्त हो जाएगा। 2024 का चुनाव, आखिरी चुनाव होगा। ज्ञात हो कि गुजरात में सूरत की एक अदालत द्वारा 2019 के मानहानि मामले में दोषी ठहराए जाने के एक दिन बाद शुक्रवार को गांधी को लोकसभा की सदस्यता से अयोग्य घोषित कर दिया गया। दिल्ली में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए राहुल गांधी ने शनिवार को कहा था, ''मेरा नाम सावरकर नहीं है, मेरा नाम गांधी है और गांधी किसी से माफी नहीं मांगते हैं। ठाकरे ने कहा कि उन्होंने गांधी की ''भारत जोड़ो यात्रा का समर्थन किय। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी ने अपनी प्रेसवार्ता में अच्छी बात कही। उन्होंने वैध सवाल उठाया कि 20,000 करोड़ रुपये किसके हैं? लेकिन सरकार जवाब नहीं देना चाहती।

तेजस्वी बने पिता पुत्री रत्न की प्राप्ति

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। राष्ट्रीय जनता दल अध्यक्ष और पूर्व रेल मंत्री लालू प्रसाद यादव के घर नई पीढ़ी का आगमन हो गया है। लालू के बेटे और बिहार के उप-मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव पिता बन गए हैं। 27 मार्च की सुबह तेजस्वी की पत्नी रेचल उर्फ राजश्री ने बेटी को जन्म दिया। तेजस्वी के साथ ही परिवार के बाकी सदस्यों ने भी बेटी के आगमन पर खुशियां जाहिर कीं।

लैंड फॉर जॉब घोटाले में पूछताछ से परेशान लालू परिवार को चैत्र नवरात्र की षष्ठी तिथि को मां कात्यायनी की पूजा के दिन पुत्री-रत्न की प्राप्ति हुई है। रोहिणी आचार्या ने तेजस्वी यादव की बेटी के शुभागमन पर कुछ लाइनें शेयर कीं-भाई-भाभी के चेहरे पर खिली मुस्कान रहे,मेरे घर में खुशियों का सदा यूँ ही वास रहे,मन सुख के सागर में गोते भरे, पापा बनने की खुशी में,भाई तेजस्वी के चेहरे ,पे ऐसी खुशियां झलके।

फोटो: 4 पीएम

धरना 69000 शिक्षक भर्ती में कोर्ट के आदेश को लेकर किया घेराव, अभ्यर्थियों ने शिक्षा मंत्री संदीप सिंह के आवास के बाहर किया प्रदर्शन

लक्षद्वीप के पूर्व सांसद फैजल सुप्रीम कोर्ट पहुंचे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। लक्षद्वीप के पूर्व सांसद मोहम्मद फैजल ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। पूर्व सांसद मोहम्मद फैजल ने लोकसभा से अपनी अयोग्यता को चुनौती देने वाली याचिका पर सुप्रीम कोर्ट से सुनवाई की मांग की है। लक्षद्वीप के पूर्व सांसद मोहम्मद फैजल की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट मंगलवार को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध करने पर सहमत हो गया है।

अयोग्यता के फैसले को दी चुनौती

लक्षद्वीप के पूर्व सांसद मोहम्मद फैजल की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट कल सुनवाई करेगा। फैजल ने लोकसभा सदस्यता बहाल करने की मांग की है।

एनसीपी नेता की ओर से पेश सिंघवी ने कहा कि इस साल जनवरी में एक स्थानीय अदालत द्वारा दोषी ठहराए जाने और सजा सुनाए जाने के तुरंत बाद लोकसभा ने फैजल को एक सांसद के रूप में अयोग्य घोषित कर दिया था, लेकिन उच्च न्यायालय के आदेश के बावजूद उनकी सदस्यता अभी तक बहाल नहीं की गई है। जबकि अदालत ने सजा पर रोक लगा दी है।

निखत व लवलीना ने लगाया गोल्डन पंच

» वर्ल्ड बॉक्सिंग चैंपियनशिप में चार स्वर्ण

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। विमेंस वर्ल्ड बॉक्सिंग चैंपियनशिप में भारत की निखत जरीन के बाद लवलीना बोरगोहेन ने भी गोल्ड मेडल जीत लिया है। यह वर्ल्ड बॉक्सिंग में भारत का चौथा गोल्ड मेडल है, इससे पहले स्वीटी बूरा और नीतू घनघस ने शानदार प्रदर्शन करते हुए गोल्ड मेडल जीतकर अपना परचम लहराया है।

महिला वर्ल्ड बॉक्सिंग चैंपियनशिप के फाइनल मुकाबले में निखत जरीन के बाद लवलीना बोरगोहेन ने भी अपना बाउट जीतकर गोल्ड का तमगा हासिल कर लिया है। इस तरह भारत की चारों मुक्केबाजों ने गोल्ड मेडल अपने नाम किया। निखत और लवलीना से पहले नीतू और स्वीटी बूरा भी विश्व चैंपियन बनी थीं। दूसरी बार उन्होंने वर्ल्ड चैंपियनशिप का गोल्ड मेडल जीत लिया।

महिला प्रीमियर लीग: मुंबई इंडियंस बनी पहली डब्ल्यूपीएल चैंपियन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। महिला प्रीमियर लीग का पहला खिताब मुंबई इंडियंस की टीम ने अपने नाम कर लिया। फाइनल मुकाबले में मुंबई इंडियंस ने दिल्ली कैपिटल्स को 7 विकेट से करारी शिकस्त देकर डब्ल्यूपीएल के पहले सीजन की ट्रॉफी अपने नाम की। इस मैच में दिल्ली टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवर में 131 रन बनाए थे। इसके जवाब में उतरी मुंबई इंडियंस ने नेट सीवर ब्रंट के नाबाद अर्धशतकीय पारी के दम पर यह लक्ष्य 3 गेंद शेष रहते ही हासिल कर लिया।

फाइनल भिड़त में मुंबई टीम गेंदबाजी और बल्लेबाजी दोनों में शानदार रही। इस मैच में दिल्ली टीम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया और पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवर में 131 रन बनाए। दिल्ली टीम की तरफ से मेग लेनिंग (35) रन के अलावा कोई भी बल्लेबाज खास रन नहीं बना पाया। टीम की सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा फाइनल मैच में फ्लॉप नजर आई।

हरमनप्रीत ने की धोनी की बराबरी

इस मैच में लक्ष्य का पीछा करते हुए मुंबई इंडियंस की तरफ से नेट सीवर ब्रंट की नाबाद अर्धशतकीय पारी कमाल की रही। उन्होंने 55 गेंदों पर 60 रन बनाए, जिसमें कुल 7 चौके शामिल रहे। वहीं, कप्तान हरमनप्रीत ने 39 गेंदों पर 37 रन बनाए। फाइनल में जीत हासिल कर हरमनप्रीत कौर ने पूर्व भारतीय कप्तान महेंद्र सिंह धोनी की बराबरी कर ली है। बता दें कि 2008 में आईपीएल के पहले ही सीजन में पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी की कप्तानी वाली चेन्नई सुपर किंग्स फाइनल में पहुंची थी। वह आईपीएल के पहले सीजन के फाइनल में कप्तानी करने वाले पहले भारतीय खिलाड़ी बने थे।

फोटो: 4पीएम

पुष्पांजलि बेनी प्रसाद वर्मा की पुण्यतिथि के अवसर पर सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने समाजवादी पार्टी कार्यालय पर उनकी फोटो पर पुष्पांजलि अर्पित की।

यूपी सरकार को 'सुप्रीम' फटकार

हाथरस गैंगरेप हत्या मामला : सुप्रीम कोर्ट ने याचिका खारिज की

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। हाथरस गैंगरेप हत्या मामले में सुप्रीम कोर्ट ने यूपी सरकार की याचिका खारिज कर दी है। सुप्रीम कोर्ट ने इलाहाबाद हाईकोर्ट के पीडिता परिवार के एक सदस्य को नौकरी देने और परिवार को हाथरस से कहीं और शिफ्ट करने पर विचार करने के फैसले पर अपील खारिज की।

सुप्रीम कोर्ट ने यूपी सरकार पर सवाल उठाते हुए कहा, ये अपराध एक बहुत जघन्य और परेशान करने वाला है। राज्य सरकार को इस तरह अपील नहीं करनी चाहिए।

यह बहुत जघन्य अपराध, सरकार का अपील करना अनुचित : चंद्रचूड़

सुनवाई के दौरान सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा, कि राज्य को ऐसे मामलों में नहीं आना चाहिए। वह मामले के विशेष तथ्यों और परिस्थितियों में हस्तक्षेप करने का इच्छुक नहीं है। ये परिवार को दी जाने वाली सुविधाएं हैं, हमें हस्तक्षेप नहीं करना चाहिए। राज्य को इन मामलों में नहीं आना चाहिए। यूपी सरकार की ओर से कहा गया था कि राज्य, परिवार को स्थानांतरित करने के लिए तैयार है, लेकिन वे गाजियाबाद या दिल्ली रहना चाहते है। पीड़िता का बड़ा विवाहित भाई आश्रित होगा या नहीं, यह कानून का सवाल है।

उमेशपाल अपहरण कांड

बरेली जेल से अशरफ प्रयागराज को रवाना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बरेली। प्रयागराज में राजू पाल हत्याकांड के बाद गवाह उमेश पाल का अपहरण कर लिया गया था। उमेश पाल ने इस मामले में अतीक अहमद और उसके भाई अशरफ के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई थी। अपहरण मामले में 28 मार्च को सजा सुनाई जा सकती है। इसलिए अतीक अहमद के छोटे भाई अशरफ को भी पुलिस बरेली केंद्रीय जेल 2 से प्रयागराज ले गई है।

प्रयागराज पुलिस और एसटीएफ रात में ही बरेली आ गई थी। सुबह नौ बजे अशरफ को जेल से निकाला गया तो बड़ी संख्या में मीडिया का जमावड़ा मौके पर था। पुलिस ने जेल गेट पर गाड़ी इस तरह लगाई कि मीडिया से अशरफ की सीधी बात ही नहीं हो सकी। हालांकि गाड़ी में अशरफ के बैठने के बाद मीडिया ने उससे पूछा कि उसे कोई खतरा तो नहीं है तो अशरफ ने अंदर से हाथ हिलाकर खतरे से इनकार किया।

यह है मामला

राजू पाल हत्याकांड के गवाह उमेश पाल का 2006 में अपहरण कर लिया गया था। 2007 में बसपा सरकार आने पर उमेश पाल की ओर से इस मामले में अधिक समेत 11 लोगों के खिलाफ धूमनगंज थाने में एफआईआर दर्ज कराई गई थी। इस मामले की सुनवाई 23 मार्च को पूरी हो चुकी है और 28 मार्च को फैसला सुनाया जाना है। 11 में से एक की मौत हो चुकी है जबकि 10 आरोपियों पर आरोप तय हुए हैं। जिन पर आरोप तय हुए हैं उनमें अतीक अहमद के अलावा उसका भाई खालिद अजीम उर्फ अशरफ और गुर्गा आबिद प्रधान, आशिक उर्फ मल्ली, जावेद इसरार, एजाज अख्तर, दिनेश पासी, खान सौलत, हनीफ और एक अन्य शामिल हैं।

भाजपा नेता पर लगा धोखाधड़ी, मनी लॉन्ड्रिंग और रंगदारी का आरोप

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुजफ्फरपुर। पटना के तुर्की स्थित राधा देवी जागेश्वरी मेमोरियल (आरडीजेएम) मेडिकल कालेज एंड अस्पताल पर बलपूर्वक कब्जा करने के मामले में भाजपा नेता व पूर्व मंत्री सुरेश कुमार शर्मा और उनके बेटे राजीव कुमार समेत छह लोगों पर दायर मामले में पटना जिला कोर्ट ने संज्ञान लिया है। साथ ही आरोपियों के खिलाफ गैर-जमानती वारंट जारी किया है।

जनहित मंच के प्रधान कार्यालय में वरीय अधिवक्ता नवल किशोर प्रसाद सिन्हा ने यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि निर्धारित तिथि बीत जाने के बाद भी सरेंडर नहीं करने पर कोर्ट ने गैर-जमानतीय वारंट जारी किया है। इसके कार्यान्वयन के लिए एसएसपी को आदेश भेजा गया है। पटना कोर्ट ने पहले 22 मार्च तक अदालत में सरेंडर करने का आदेश दिया था, जिस पर आरोपी नेता अदालत में पेश नहीं हुए।

इस मामले में पूर्व मंत्री सुरेश कुमार शर्मा ने कहा कि आरडीजेएम मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल के वह निदेशक हैं। मद्य निषेध, उत्पाद एवं निबंधन विभाग ने भी उनके दावे को सही पाया है।

धरा गया अमृतपाल का शार्प शूटर

» अजनाला कांड को लेकर हुई गिरफ्तारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

अमृतसर। खालिस्तान समर्थक अमृतपाल सिंह का शार्क शूटर पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपित की पहचान वरिंदर सिंह जोहल के रूप में बताई। यह गिरफ्तारी अजनाला कांड को लेकर हुई है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि वरिंदर सिंह के खिलाफ एनएसए लगाकर उसे आसाम की डिब्रूगढ़ जेल में भेज दिया गया है।

वरिंदर जोहल सेना से रिटायर्ड कॉन्स्टेबल है। यह 19 सिख रेजीमेंट में ड्यूटी कर चुका है इसका आर्म लाइसेंस जम्मू कश्मीर से बना हुआ था जिसे जम्मू प्रशासन ने रद्द कर दिया थाद्य अजनाला हिंसा में वरिंदर जोहल वारिस पंजाब दे के प्रमुख अमृतपाल सिंह के साथ दो नाली लेकर कई जगह पर दिख था। यही नहीं थाने के भीतर जब अमृतपाल पुलिस अधिकारियों को धमका रहा था तो वरिंदर जोहल उसके पीछे रुक कर सभी पुलिस अफसरों पर नजर रख रहा था।

और करीबियों को भी भेजा गया है डिब्रूगढ़

कुछ दिन पहले असम के डिब्रूगढ़ केंद्रीय कारागार में बंद कट्टरपंथी अमृतपाल सिंह के चाचा समेत उसके सात साथियों को चौबीसों घंटे सीसीटीवी की निगरानी में अलग-अलग सेल में रखा गया है। अधिकारी ने कहा कि पूरे जेल परिसर की सुरक्षा कड़ी कर दी गई है और वारिस पंजाब दे संगठन (डब्ल्यूपीडी) के सात सदस्यों के स्वास्थ्य की भी नियमित जांच की जा रही है।

30 व 31 मार्च को बारिश के आसार

» पश्चिमी विक्षोभ की सक्रियता से मौसम में होगा परिवर्तन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। एक बार फिर लखनऊ और प्रदेश में मौसम बदलने के संकेत मिल रहे हैं। पाकिस्तान, जम्मू और कश्मीर व आसपास पश्चिमी विक्षोभ की सक्रियता मौसम में परिवर्तन का कारण बनेगी।

आंचलिक मौसम विज्ञान केन्द्र के वरिष्ठ मौसम वैज्ञानिक अतुल कुमार सिहं के मुताबिक 29 मार्च की रात को एक पश्चिमी विक्षोभ भारत के उत्तर पश्चिम भाग को प्रभावित कर सकता है। 30 मार्च को प्रदेश में मेघ गर्जन, बिजली-पानी के आसार हैं। जबकि 31 को पश्चिमी विक्षोभ का असर लखनऊ में भी दिखाई देगा और यहां भी बारिश, बिजली के आसार हैं। हालांकि ओलावृष्टि के बारे में कुछ कहना जल्दी होगी।

सुप्रीम कोर्ट तीन सप्ताह बाद करेगा के. कविता की याचिका पर सुनवाई

» कविता ने दिल्ली के आबकारी घोटाले में पूछताछ के लिए ईडी दफ्तर बुलाने का किया है विरोध

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। भारत राष्ट्र समिति एमएलसी के. कविता की याचिका पर सोमवार को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। सुप्रीम कोर्ट बीआरएस नेता के. कविता की याचिका पर 3 हफ्ते बाद सुनवाई करेगा।

सुप्रीम कोर्ट ने के. कविता की याचिका को पहले से लंबित नलिनी चिदंबरम की याचिका के साथ जोड़ दिया है। दिल्ली शराब नीति मामले में के. कविता ने अपनी याचिका में कहा है कि नियमों के अनुसार एक महिला को ईडी के समक्ष पूछताछ के लिए नहीं बुलाया जा सकता है और उससे पूछताछ उनके आवास पर होनी चाहिए।

ईडी ने आबकारी मामले में की थी पूछताछ

सुप्रीम कोर्ट ने तीन सप्ताह बाद सुनवाई के लिए मामला सूचीबद्ध किया है। बता दें कि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने दिल्ली आबकारी नीति घोटाला मामले में हाल ही में कई लोगों से पूछताछ की थी। इसमें बीआरएस एमएलसी के. कविता भी शामिल थी।

बता दें कि कविता ने दिल्ली के आबकारी घोटाले में पूछताछ के लिए श्वष्ठ दफ्तर बुलाने का विरोध किया है।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **विधि सलाहकार:** सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार:** संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट:** हसन जैदी, **दूरभाष:** 0522- 4078371 | **Email:** daily4pm@gmail.com | **website:** www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।